किसानों को किराए पर मिलेंगे कृषि यंत्र, जिले में खुलेंगे 19 कस्टम हायरिंग सेंटर्स

कृषि निदेशालय से मिली प्रशासनिक स्वीकृति, हर सेंटर पर 15 से 20 युवाओं को रोजगार मिलेगा

सिटी रिपोर्टर | कोटा

जिले के लघु और सीमांत किसानों को घर बैठे किराए पर खेती किसानी करने के लिए कृषि यंत्र उपलब्ध होंगे। इसके लिए जिलेभर में कस्टम हायरिंग स्कीम के तहत सेंटर्स खुलेंगे। योजना के तहत जयपुर कृषि निदेशालय से जिले के लिए 19 कस्टम हायरिंग सेंटर की प्रशासनिक स्वीकृति आ गई है। जो कृषि विस्तार उपनिदेशक कार्यालय को मिल गई है।

उपनिदेशक रविंद्र कुमार जैन ने बताया कि जिले के 19 किसानों ने कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए आवेदन किया था। जिन्हें सेंटर खोलने स्वीकृति मिल गई है। 2 किसानों ने सेंटर के लिए अपना शपथ पत्र दे दिया है। अब उनके दस्तावेज संबंधित बैंक से लोन दिलवाने के लिए भेजे जाएंगे। बाकी के 17 आवेदक किसानों को उनके कस्टम हायरिंग सेंटर स्वीकृति की सूचना कार्यालय से भिजवा दी गई है। जिन्हें उपनिदेशक कार्यालय में अपना शपथ पत्र देना होगा। उसके बाद संबंधित बैंकों को लोन स्वीकृति के लिए दस्तावेज भेजे जाएंगे। उपनिदेशक जैन ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए और भी किसान आवेदन कर सकते हैं। स्कीम 31 मार्च 2018 जारी रहेगी। एक गांव में एक ही कस्टम हायरिंग सेंटर होगा।

सेंटर खोलने वाले को कम से कम 10 लाख रुपए खर्च करने होंगे। उस पर संबंधित आवेदक को 40 फीसदी अनुदान सरकार से मिलेगा। कस्टम हायरिंग सेंटर संचालित करने के लिए उक्त संचालक को खेती किसानी के लिए किसानों के लिए एक ट्रैक्टर और अन्य कृषि यंत्र सेंटर्स पर रखने होंगे। किसानों को इनके सर्विस सेंटर पर एक कॉल करना होगा। जिसके बाद संबंधित किसान को किराए पर ट्रैक्टर समेत कृषि यंत्र उपलब्ध होंगे। उपनिदेशक जैन के अनुसार जिले में इटावा क्षेत्र में एक कस्टम हायरिंग सेंटर संचालित है।

उदयपुर में ग्लोबल एग्री टेक मीट शुरू।

खेड़ा रसूलपुर में खुले कस्टम हायरिंग एंड सर्विस सेंटर का उद्घाटन

उदयपुर में मंगलवार को तीसरा ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट शुरू हुआ। जिसमें सीएम वसुंधरा राजे ने कोटा ग्राम में हुए एमओयू के तहत कोटा जिले के खेड़ा रसूलपुर गांव में खोले गए राज्य के पहले कस्टम हायरिंग एंड सर्विसेज सेंटर का शुभारंभ किया है। सीएम ने कहा कि खेती में नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकी से किसानों की आमदनी दुगनी करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। अगले चार सालों में प्रदेश में 1240 कस्टम हायरिंग एंड सर्विसेज सेंटर खोले जाएंगे। प्रत्येक सेंटर पर 15 से 20 युवाओं को रोजगार मिलेगा।

ईएम 3 एग्री सर्विसेज द्वारा मई माह में हुए कोटा ग्लोबल एग्री टेक मीट में किए गए एमओयू के तहत 'समाधान टेक्नो खेती' के लिए यह पहला केंद्र कोटा के कैथून रोड स्थित खेड़ा रसूलपुर गांव में शुरू हुआ है। कंपनी सर्विस सेंटर समाधान केंद्र पर मिट्टी तैयार करने से लेकर फसल कटाई तक के लिए किसानों को आधुनिक कस्टमाइज्ड समान उपलब्ध कराएगी।

आत्मा परियोजना के तहत 100 किसानों का दल उदयपुर रवाना

उदयपुर ग्राम में कोटा जिले के किसान भाग लेंगे। मंगलवार को पांच दिवसीय दौरे के तहत 100 महिला व पुरुष किसान दो बसों में सवार होकर कोटा से रवाना हुए। जिन्हें उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) कार्यालय से कृषि विस्तार निदेशक पीके गुप्ता ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया है। आत्मा परियोजना निदेशक डॉ. आरबी सिंह ने इसकी जानका